remember, the hon. Speaker, in his Wisdom, was good enough to say that once the Prime Minister makes a statement on Assam, that can be taken into consideration in the House and a debate could be raised, for the simple reason that—and you with your political background and wide-spread knowledge, know about the multinational character of the country—if we do not nip in the bud this issue, right now, it will be too late and we will be sorry, and there will be no way out. Are we heading towards a secessionist movement? Are we going to pay into the hands of secessionists? In Assam this is happening and here, Sir, the Prime Minister says....

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is it you want to be included?

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I want a fulfledged debate on Assam. I have given an Adjournment Motion notice.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now Shri Paswan.

श्री रामविलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष जी, मैं आपके सामने दो बातें कहना चाहता हूं। सब से पहली बात मैं माननीय सदस्य से सहमत हूं कि यह ग्वालियर में जो घटना घटी है और जिस तरीके से 23 वकीलों को घायल किया गया और जज के ऊपर रिवाल्वर ताना गया, हिन्दुस्तान की आजादी के इतिहास में इस तरह की घटना कभी नही घटी। सरकार को इसको गंभीरता से लेना चाहिए। जैसा कि उस समय भी हमारे सम्मानीय सदस्य ने कहा कि जिन के हाथ में पावर है वे जिस तरीके से नंगा नाच करवा रहे हैं और जज के ऊपर जो रिवाल्वर ताना गया है, इसको सरकार को भी गम्भीरता से लेना चाहिए।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहूंगा हूं कि हरिजनों और आदिवासियों के ऊपर जो एट्रोसिटीज़ हो रही हैं, कल मैंने इस मामले को उठाया तो चेयरमैन की तरफ से कहा गया था कि शड्यूल्ड कास्ट्स और शैड्यूल्ड ट्राइब्स कमीशनर की रिपोर्ट पर आप बोलें, लेकिन शैड्यूल्ड कास्ट्स और शैड्यूल्ड ट्राइब्स कमीशनर की रिपोर्ट तो 1977-78 की है और यह घटना घटी है दो दिन पहले। मैं आपको बतलाना चाहता हूं कि बिहार के बलुआ बाज़ार में एक हरिजन को गिरफ्तार किया गया और उस की हत्या कर दी गई। मुजफ्फरपुर जिले में हरिजनों को जिन्दा जलाया गया। बलुआ बाजार में, श्री केदार पाण्डे जी को मालूम है, वहां कांग्रेस (आई) के नेता श्री जगन्नाथ मिश्र का घर है....

MR. DEPUTY-SPEAKER: You want that it should be included? Now come to the last point. (*Interruptions*).

श्री रामविलास पासवान : मुजफ्फरपुर ज़िले मे जो एट्रोसिटीज़ हुई हैं, मैं चाहता हूं कि इस सरकार को उस पर डिबेट करनी चाहिए।

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: The Hon. Members know that we have only four working days left and we have a heavy programme. Only this much I can say that I will inform my colleagues about these things. I can bring this to their notice for necessary action.

13.23 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) MIGRATION OF NON-ASSAMESE SPEAKING FAMILIES FROM ASSAM TO WEST BENGAL

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): Mr. Speaker. under Rule 377 I wish to raise the following:

962 families consisting of about 3861 non-Assamese speaking people affected by the recent riot in Nalbari and Barpata sub-divisions of Assam have arrived at Alipurduar Railway Station in North Bengal during the last one week. They had been accommodated in eleven Relief Camps which has been closed down by the Government of Assam on the 7th March. Some rehabilitation benefits have reportedly been offered to those families but apparently they are still too nervous to go back to their original places of residence in Assam. Actually, some of these families had gone back to their homes but were

[Shri Jyotirmoy Bosu]

reportedly driven by some local rowdies and this is said to be the reason for leaving Assam once again. The Chief Minister of West Bengal had long ago requested the Government of Assam to send an Officer to talk to about 3000 people who had migrated earlier to Alipurduar and to help them to go back to the places wherefrom they had come. The Chief Minister of West Bengal received no response so far. He had urged the Prime Minister to request the Governor of Assam to take this step without any further delay.

It is also necessary to find out whether the rehabilitation facilities offered to the families who had been in relief camps are adequate and whether they were actually being intimidated by their neighbours as alleged. The Chief Minister of West Bengal had suggested to ascertain the facts and to persuade the people to return to their homes and to send a team of Members of Parliament to visit the relief camps as quickly as possible. He has offered to send one of his Ministers to visit the relief camps if necessary facilities are provided by the Government of Assam.

This is a very important matter and hence I wish the Minister should come forward with a reply.

MR. DEPUTY SPEAKER: Shri Mrutyunjaya Nayak—not here.

Shri Virdhi Chand Jain—also absent.

Shri Chhitubhai Gamit—not here.

Shri Vijay N. Patil—also absent.

Shri Satyanarayan Jatiya.

(i) Reported closure of Seth Govind Ram Sugar Mills, Mohidpur, (Madhya Pradesh)

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषय की ओर आप के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं ।

"मध्य प्रदेश के उज्जैन ज़िले में महिदपुर रोड पर स्थित सेठ गोविन्द राम शुगर मिल के 579 श्रमिक कर्मचारियों को पिछले 7 महीनों का वेतन तथा कृषकों के गन्ने की कीमत का भुगतान नहीं किया गया है । कर्मचारियों को पिछले दो वर्षों से न्यूनतम बोनस का भुगतान तथा चार साल से रिटेनिंग राशि भी नहीं दी गई है । इस प्रकार लगभग 11 लाख रुपयों का भुगतान कर्मचारियों का मिल की ओर बाकी है । मिल मालिक ने बिना सूचना के जानबूझ कर कारखाना बन्द कर लेड-आफ़ कर दिया है, जबकि मिल चलाने के लिये पर्याप्त मात्रा में गन्ना उपलब्ध था । मिल द्वारा कर्मचारियों को, भुगतान न करने के कारण श्रमिक परिवारों का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है । वे भूख के कारण व्याकुल और त्रस्त हैं । एक श्रमिक श्री अहमद हुसैन की अभाव और भूख के कारण मृत्यु हो गई है और अनेक परिवार भूख की आह से कराह रहे हैं। इस सारी स्थिति से शासन को अवगत कराया गया है । अत: ऐसी स्थिति में शासन महिदपुर तथा इसी प्रकार जावरा के शक्कर कारखानों को अधिग्रहीत कर और श्रमिकों का भुगतान कर राहत प्रदान करें ।

(iii) Law and Order situation in the country

उपाध्यक्ष महोदय : श्री मनीराम बागड़ी ।

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : उपाध्यक्ष महोदय, इस वक्त कोई घर मंत्री नहीं है, तीनों-के-तीनों गैर-हाज़िर हैं । There is no Minister.

AN HON. MEMBER: There is the Minister for Parliamentary Affairs.

श्री मनीराम बागड़ी : उन को तो कुछ पता नहीं है। यह ला एण्ड आर्डर का सवाल है, घर मंत्री को यहां लाइये । What does he know about law and order ?

श्री धनिकलाल मंडल (झंझारपुर) : इतनी कर्टसी तो होनी ही चाहिये थी ।